मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–105

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य है।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $10 \times 3 = 30$

(क) आदर्शे वल्कलानीव किमेते सूर्यरश्मयः।
हसितेन परिज्ञातं क्रीडेयं नियमस्पृहा ?॥

अथवा

यत्कृते महति क्लेशे राज्ये मे न मनोरथः।
वर्षाणि किल वस्तव्यं चतुर्दश वने त्वया॥

(ख) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे
दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा।
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य
दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि॥

अथवा

सङ्कल्पितं प्रथममेव मया तवार्थे
भर्तारमात्मसदृशं सुकृतैर्गता त्वम्।
चूतेन संश्रितवती नवमालिकेय-
मस्यामहं त्वयि च सम्प्राति वीतचिन्तः॥

(ग) नन्दकुलकालभुजगीं कोपानलबहुलनीलधूमलताम्।
अद्यापि बध्यमानां वध्यः को नेच्छिति शिखां मे ?॥

अथवा

सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जनः।
क इदं दुष्करं कुर्यादिदानीं शिबिना विना॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. भास विरचित रामकथाश्रित नाटकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

3. रूपक के भेद ईहामृग को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए। 5

4. हर्ष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 5

5. 'प्रतिमानाटक' के अनुसार भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

6. 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' को स्पष्ट कीजिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. 'मुद्राराक्षस' के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

8. 'प्रतिमानाटक' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

9. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति सम्बन्धी मतों का सविस्तार विवेचन कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 3 = 15$

    (क) कथानक

    (ख) नेपथ्य

    (ग) अपवारित

    (घ) भरतवाक्य